'अभ्यर्थियों की महत्वहीन त्रुटियों के निस्तारण के लिए क्या है व्यवस्था'

- **हाईकोर्ट ने माध्यमिक शिक्षा विभाग के सचिव और आर.पी.एस.सी. सचिव को शपथ पत्र पेश करने को कहा**
- **अदालत ने कहा कि किसी बेरोजगार लेकिन योग्य व पात्र उम्मीदवार के जीवन में सरकारी नौकरी के महत्व को कम नहीं आंका जा सकता और ना ही उसे नियुक्ति के अधिकार से वंचित किया जा सकता है**

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने माध्यमिक शिक्षा विभाग के सचिव और आरपीएससी सचिव को व्यक्तिशः या वीसी से पेश होकर शपथ पत्र के जरिए बताने को कहा है कि भर्ती में अभ्यर्थियों की ओर से की गई छोटी-मोटी और महत्वहीन त्रुटियों के प्रभावी निस्तारण के लिए क्या व्यवस्था की गई है। जिससे सरकारी नौकरी के योग्य अभ्यर्थियों को अनुचित मुकदमेबाजी से बचाया जा सके। वहीं अदालत ने दोनों अधिकारियों से याचिकाकर्ता के पद पर बने रहने के संबंध में हुए जानकारी पेश करने को कहा है। जस्टिस सुदेश बंसल ने यह आदेश राजेश की याचिका पर दिए।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि किसी बेरोजगार लेकिन योग्य व पात्र उम्मीदवार के जीवन में सरकारी नौकरी के महत्व को कम नहीं आंका जा सकता और ना ही उसे नियुक्ति के अधिकार से वंचित किया जा सकता है। मामले में राज्य सरकार की ओर से अपनाए तकनीकी दृष्टिकोण की अदालत सराहना नहीं करता है, खासकर तब जबकि भर्ती का उद्देश्य सर्वश्रेष्ठ प्रतिभा का चयन करना हो। इस तरह की कार्रवाई से पहले से मुकदमों के बोझ तले दबे न्यायालय में अनावश्यक मुकदमेबाजी की नौबत आती है।

याचिका में अधिवक्ता तनवीर अहमद ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता का हिंदी वरिष्ठ अध्यापक भर्ती-2018 में चयन हुआ था। उसकी नियुक्ति को यह कहते हुए निरस्त कर दिया कि उसने आवेदन पत्र में अंग्रेजी में राकेश और हिंदी में राजेश नाम लिखा था। अदालत के दिसंबर, 2020 के अंतरिम आदेश की पालना में याचिकाकर्ता को 23 जून, 2021 को नियुक्ति दी गई। वहीं बाद में उसका आरपीएससी की ओर से आयोजित स्कूल व्याख्याता भर्ती में चयन हो गया। ऐसे में उसके नाम के विवाद को अंतिम रूप से तय किया जाए, ताकि उसे प्रोटेक्शन का लाभ मिल सके। अदालत के सामने आया कि राज्य सरकार और आरपीएससी को याचिकाकर्ता के सही नाम पर संदेह नहीं है। इसके बावजूद भी याचिकाकर्ता की नियुक्ति को अंग्रेजी में गलत नाम होने के आधार पर विवादित किया जा रहा है।

अदालत के पूछने पर बताया गया कि विज्ञापन में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है कि हिंदी और अंग्रेजी में नाम को लेकर भिन्नता हो तो अंग्रेजी में लिखे नाम को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके अलावा राज्य सरकार की ओर से अदालत को इस बात पर भी संतुष्ट नहीं किया जा सका कि नाम की छोटी सी विसंगति को दूर करने के लिए याचिकाकर्ता को मौका क्यों नहीं दिया गया। अदालत ने कहा कि जब याचिकाकर्ता के नाम पर विवाद ही नहीं है तो उसकी नियुक्ति को लेकर विवाद क्यों किया जा रहा है।

माँग दिवस के रूप में मनाया सहकारिता दिवस

जयपुर, (का.सं.)। ऑल इंडिया कोआपरेटिव बैंक एम्पलाईज फेडरेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व ऑल राजस्थान कोआपरेटिव बैंक एम्पलाईज यूनियन के प्रान्तीय महासचिव सहकार नेता सूरज भान सिंह आमेरा ने बताया कि 6 जुलाई अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस को फ़ेडरेशन के राष्ट्रीय आव्हान पर देश भर के सहकारी बैंक कर्मियों ने माँग दिवस के रूप में मनाया। देश भर में सहकारी बैंक कर्मियों ने माँग के लिए बेज धारण कर माँग दिवस मनाया। माँगो के लिए सचिव सहकारिता व रजिस्ट्रार सहकारिता को ज्ञापन प्रेषित किए गये। प्रदेश के सहकारी बैंक कर्मियों के वेतनमान सुधार के लिए मुख्यमंत्री, वित्त विभाग सरकार व सहकारी विभाग स्तर से अक्टूबर 2023 में ही सम्पन्न/स्वीकृत अवधिपार लंबित 16वे वेतन समझौते को सभी सहकारी बैंकों में एकरूपता लागू करना, सहकारी बैंकों में कर्मचारी व अधिकारी के तीन साल से रिक्त पड़े पदो पर भर्ती करना आदि को लेकर माँग दिवस मनाया गया।

हजरत सैयद महबूब उर रहमान नियाजी के उर्स का समापन

जयपुर। संसार चंद रोड स्थित मीर जी दरगाह में हजरत सैयद महबूब उर रहमान नियाजी के आठवें उर्स के पहले दिन रात में क्लासिकल म्यूजिकल नाइट में फनकारों ने जबरदस्त अपने फन की प्रस्तुति दी। दूसरे दिन सुबह कुरानखानी हुई और दरगाह को गुसल दिया गया। शाम को कव्वाली की महफिल सजी जिसमें देश भर से कव्वाल पहुंचे बॉलीवुड फेम साबरी बंधुओं ने शानदार कलाम पेश किया, महफिल देर रात तक चली। इस मौके पर दरगाह के सज्जादा नशीन डॉक्टर सैयद हबीब उर रहमान नियाजी ने कहा कि तीन दिन के उर्स मुबारक में अलग-अलग दिन अलग-अलग कार्यक्रमों हुए। पहले दिन देश भर के मशहूर क्लासिकल फनकातो ने अपने फन पेश किया। दूसरे दिन शाम को मगरिब के बाद चादरों का सिलसिला शुरू हुआ। देशभर से अकीदतमंदो ने अपनी मुरादों की चादर पेश की। रात में कव्वाली की महफिल सजी जो देर रात तक चली। तीसरे दिन कुल की रस्म के साथुरा का समापन हुआ और देश में ओ अमन रहे, आपसी भाईचारा हमेशा बना रहे की अर्जी लगाई गई। उन्होंने कहा कि सभी मुरिदो से वादा लिया की एक पेड़ ज़रूर लगाएंगे। दरगाह के नायाब सज्जादानशीन सैयद फैज उर रहमान नियाजी ने कहा देशभर से हजारों की तादाद में मुरीद जयपुर पहुंचे हैं और अपने हकीकत के फूल पेश किए हैं और अपनी दुआएं और मन्नतें मांगी सभी आए। तीनो दिन लंगर का प्रोग्राम रहा हजारों लोगों ने लंगर खाया। कुल की रस्म के साथ उर्स मुकम्मल हुआ।

मीर जी दरगाह में हजरत सैयद महबूब उर रहमान नियाजी के आठवें उर्स के पहले दिन देशभर से हजारों मुरीदों ने अपनी दुआएं और मन्नतें मांगी।

रत्न आभूषणों के बूथ पर उमड़े देश विदेश के खरीदार

जयपुर, (का.सं.)। शो के दूसरे दिन उप मुख्यमंत्री डॉ प्रेमचंद बैरवा और विधायक गोपाल शर्मा ने जस -2024 का अवलोकन किया ज्वेलर्स एसोसिएशन जयपुर के अध्यक्ष आलोक सोंखिया, महासचिव नीरज लुणावत ,उपाध्यक्ष राजू मंगोड़ी वाला और शो के कन्वीनर अशोक माहेश्वरी ने उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बेरवा और विधायक गोपाल शर्मा को शो का विजिट का स्वागत किया और शो का विजिट कराया।

जयपुर ज्वैलर्स एसोसिएशन के उपाध्यक्ष और जस 2024 के सहसंयोजक राजू मंगोड़ी वाला ने बताया कि उन्होंने प्रदर्शनी का दौरा किया और जयपुर के एक्जीबिटर्स की ओर से प्रदर्शित किए गए रत्न आभूषणों के एक से बढ़कर एक डिजाइन और कारीगरों की कला की सराहना की। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने कहा की जयपुर की ज्वेलरी पूरी दुनिया में मशहूर है और इस तरह के शो यहां के ज्वैलरी व्यवसाय को अंतरराष्ट्रीय मंच पर और मजबूती के साथ प्रस्तुत करती है। बीजेपी सरकार इस शो का पूरा समर्थन और सहयोग करने के लिए हमेशा तैयार है। विधायक गोपाल शर्मा ने जस -2024 में सजे रंगीन रत्नों के अनोखे संसार और खूबसूरत गहनों से बेहद प्रभावित नजर आए। उन्होंने कहा कि ज्वैलरी शो, ज्वेलर्स एसोसिएशन जयपुर की ओर से किया गया शानदार प्रयास है।

सहकारी संस्थाएं नवीन तकनीक अपनाएं : अर्चना सिंह

जयपुर, (कासं.)। रजिस्ट्रार सहकारिता अर्चना सिंह ने कहा कि प्रदेश में सहकारी संस्थाओं के पल्लवन के लिये आवश्यक है कि वे अधिकाधिक नवीन तकनीक को अपनायें ताकि उनकी कार्यशैली में पारदर्शिता का समावेश हो और सदस्यों का सहकारिता में विश्वास कायम रहे। उन्होंने कहा कि सहकारी संस्थाओं के विकास और प्रसार के लिये उनके संरक्षण, संवर्धन और नियंत्रण में संतुलन रखकर कार्य करने की आवश्यकता है।

सिंह ने शनिवार को झालाना संस्थानिक क्षेत्र स्थित राइसेम परिसर में 102वें अन्तरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर आयोजित सेमीनार को संबोधित करते हुये कहा कि आज से लगभग 120 वर्ष पूर्व प्रदेश में कृषि क्षेत्र में वित्तीय आवश्यकताओं की पूर्ति करने के लिये सहकारिता का संस्थागत स्वरूप सामने आया था। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिवेश में समाज और व्यक्ति की आवश्यकता और पसंद में परिवर्तन आया है। इसलिये अब सहकारी संस्थाओं को स्थानीय आवश्यकताओं और पसंद को ध्यान में रखते हुये अपने कार्यक्षेत्र में बदलाव लाने की जरूरत है।

रजिस्ट्रार ने कहा कि सहकारी संस्थाओं को अपनी सेवा प्रदायगी को बेहतर करते हुये नये नये क्षेत्रों में कार्य करना चाहिये, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन के साथ-साथ लोगों के जीवन स्तर में सुधार होगा। उन्होंने कहा कि सहकारिता में समर्पण और ईमानदारी के साथ कार्य करें और सभी को साथ लेकर चलेंगे तो किसी भी समस्या का समाधान स्थानीय स्तर पर प्राप्त कर सकते हैं।

जयपुर डेयरी के अध्यक्ष ओम प्रकाश पूनिया ने कहा कि सहकारिता लोकतंत्र का प्राणतत्व है। जिस लोकतंत्र में सहकारिता नहीं है वह मृतप्राय है। उन्होंने कहा कि स्वावलंबन, आत्मनिर्भरता, पारस्परिक सहयोग की भावना समाज को एकजुट करती है और इसी से व्यक्ति में सहकारिता का जन्म होता है। समाज में नैतिकता होने पर ही सहकारिता का प्रसार संभव है।

अन्तरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस के मौके पर राइसेम परिसर में रजिस्ट्रार सहकारिता, जयपुर डेयरी अध्यक्ष, निदेशक राइसेम सहित सभी सहकारजनों ने पौधारोपण किया। सेमीनार में करणपुर क्रय-विक्रय सहकारी समिति के अध्यक्ष लखविन्दर सिंह, फागी जीएसएस के अध्यक्ष ओ. पी. शर्मा, बीलवा जीएसएस के अध्यक्ष प्रहलाद सहाय, नाबार्ड के पूर्व महाप्रबंधक आर. एस. जोधा, भूतपूर्व संयुक्त रजिस्ट्रार (नियम) लीला पुरूषोत्तम तथा राइसेम निदेशक जितेन्द्र शर्मा ने संबोधन दिया। कार्यक्रम में संयुक्त सचिव सहकारिता दिनेश कुमार जांगिड, अतिरिक्त रजिस्ट्रार (प्रथम) राजीव लोचन शर्मा, अतिरिक्त रजिस्ट्रार (द्वितीय) शोभिता शर्मा, प्रबंध निदेशक एसएलडीबी विजय कुमार शर्मा सहित जयपुर सीसीबी के प्रबंध निदेशक तथा राइसेम एवं सहकारिता विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

रजिस्ट्रार सहकारिता अर्चना सिंह ने शनिवार को झालाना संस्थानिक क्षेत्र स्थित राइसेम परिसर में 102वें अन्तरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर आयोजित सेमीनार को संबोधित किया।

बिल्डर रवि सूर्या अफोर्डेबल होम्स पर 55 हजार रुपए हर्जाना

जयपुर, (का.सं.)। जिला उपभोक्ता आयोग, जयपुर-द्वितीय ने फ्लैट की बुकिंग की राशि लेने के बाद भी तय अवधि में फ्लैट का कब्जा नहीं देने को सेवा दोष माना है। इसके साथ ही आयोग ने बिल्डर रवि सूर्या अफोर्डेबल होम्स पर 55 हजार रुपए का हर्जाना लगाया है। आयोग ने बिल्डर को निर्देश दिया है कि वह परिवादी को बुकिंग के तौर पर वसूल की गई 1.38 लाख रुपए की राशि 9 प्रतिशत ब्याज सहित लौटाए। आयोग के अध्यक्ष ग्यारसी लाल मीना व सदस्य हेमलता अग्रवाल ने यह आदेश लाखन सिंह के परिवाद पर दिए।

परिवाद में कहा गया कि उसने बिल्डर के प्रोजेक्ट सूर्या रेजीडेंसी में बुकिंग राशि देकर 2 बीएचके का फ्लैट बुक करवाया था। बिल्डर के प्रतिनिधि ने कहा कि यह प्रोजेक्ट 2019 तक पूरा हो जाएगा और वह उसे 20 दिन में ही बकाया राशि का लोन करवा देगा। इसके बावजूद भी प्रोजेक्ट समय पर पूरा नहीं हुआ। उसने जब विपक्षी के कर्मचारियों से अपनी जमा राशि वापस मांगी तो वे पहले तो टालमटोल करते रहे, लेकिन बाद में उसे डराया कि दुबारा संपर्क किया तो हाथ-पैर तोड देंगे।

दुष्कर्म करने के आदतन अभियुक्त जीवाणु को एक बार फिर उम्रकैद

जयपुर, (का.सं.)। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-3 महानगर द्वितीय ने नाबालिगों से दुष्कर्म करने के आदतन अभियुक्त सिकंदर उर्फ जीवाणु को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर एक लाख तीन हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। यह प्रकरण चार साल की बच्ची से दुष्कर्म कर जीभ काटने से जुडा है। अभियुक्त सात साल की नाबालिग से दुष्कर्म करने के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहा है।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक महावीर सिंह किशनावत ने अदालत को बताया कि 23 जून, 2019 को पीडिता के चाचा ने शास्त्री नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि उसकी चार साल की भतीजी रात करीब दस बजे खेलती-खेलती घर से बाहर निकल गई थी। पुलिस और परिजनों के काफी तलाश करने के बाद भी उसका पता नहीं लगा। वहीं रात करीब दो बजे कोई उसे घर के थोडी दूरी पर छोडकर चला गया। अस्पताल जाने पर पता चला कि उसके साथ दुष्कर्म हुआ है और जीभ काटी गई है। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को कोटा से गिरफ्तार किया। सुनवाई के दौरान पीडिता ने अदालत को बताया कि अभियुक्त उसे मोटर साइकिल पर बैठाकर नाले में ले गया था और उसके साथ गलत काम किया। जब वह चिल्लाई को अभियुक्त ने चाकू से उसकी जीभ काट दी। जिस पर सुनवाई करते अदालत ने अभियुक्त को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

25 फीट गहरे नाले में गिरा युवक

जयपुर। मानसरोवर इलाके में 25 फीट गहरे नाले में शुक्रवार रात एक युवक गिर गया। नाले में गिरने से उसके हाथ-पैर टूटने के साथ सिर में गहरी चोट लगी है। शिप्रापथ थाना पुलिस ने शनिवार सुबह पता चलने पर रेस्क्यू कर उसे नाले से बाहर निकाला। पुलिस ने घायल युवक को जयपुरिया हॉस्पिटल में एडमिट करवाया है। पुलिस ने बताया कि सुबह करीब 9 बजे रीको एरिया में स्टोन पार्क के पास नाले में एक युवक बचाने के लिए आवाज लगा रहा था। राहगीरों के आवाज सुनकर नाले में देखने पर लहूलुहान हालत में एक युवक पड़ा दिखाई दिया। शिप्रापथ थाने में लोगों ने 25 फीट गहरे नाले में युवक के गिरने की सूचना दी। सूचना पर बन्नालाल चेतक के साथ मौके पर पहुंचे। नाले से बाहर निकालने के लिए बन्ना लाल रेस्क्यू करने के लिए पेड़ के जरिए नाले में नीचे उतरे। उनके साथ किशना नाम का लड़का भी नाले में उतरा। चेतक पर मौजूद पुलिसकर्मियों से रस्सी मंगवाकर घायल युवक को बांधकर करीब 20 मिनट की मशक्कत कर बाहर निकाला गया। बन्ना लाल ने बताया कि नाले से बाहर निकालने गए युवक ने खुद का नाम केशव (25) पुत्र महेन्द्र निवासी मानसरोवर बताया। वह शुक्रवार रात नाले के ऊपर पानी की पाइप लाइन पर चल रहा था। पैर फिसलने से वह नाले में जा गिरा। सिर में चोट लगने के कारण बेहोश होने पर रातभर नाले में पडा रहा। होश आने पर सुबह हाथ-पैर के काम नहीं करने पर टूटने का पता चला। पुलिस ने 108 एम्बुलेस को बुलाकर घायल केशव को जयपुरिया हॉस्पिटल में एडमिट करवाया।

डॉ. मुखर्जी ने राष्ट्र को समर्पित किया अपना जीवन : मंजू शर्मा

- **'उनके नारे ''एक देश में दो निशान, दो विधान और दो प्रधान नहीं चलेंगे'' को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया साकार'**

जयपुर। जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 123वीं जयंती के अवसर पर भाजपा प्रदेश कार्यालय में आज उनके चित्र पर पुष्पांजली अर्पित की गई। इस दौरान जयपुर सांसद मंजू शर्मा ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन मूल्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डॉ. मुखर्जी ने अपने जीवन को राष्ट्र के प्रति समर्पित कर दिया था। कश्मीर को लेकर डॉ मुखर्जी ने नारा दिया था कि एक देश में दो निशान, दो विधान और दो प्रधान नहीं चलेंगे। इस नारे को 70 साल बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने 70 मिनट में पूरा करते हुए कश्मीर से धारा 370 और 35 ए हटाने का ऐतिहासिक काम किया। वहीं दूसरी ओर कुछ राष्ट्र विरोधी लोग और राजनैतिक पार्टियां कश्मीर के मामले को यूएन में ले जाने का काम कर रहे थे, धारा 370 के बिल को संसद में फाड़ने का काम कर रहे थे, ऐसी राष्ट्र विरोधी शक्तियों को कमजोर करने के लिए भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता को एकजुट होकर डॉ मुखर्जी के पदचिन्हों पर कार्य करने की आवश्यकता हैं।

जयपुर सांसद मंजू शर्मा ने कहा कि जनसंघ के संस्थापक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने देश में पंडित नेहरू की परमिट व्यवस्था का भी विरोध किया था। इसी विरोध के स्वरूप उन्होंने राष्ट्र के लिए अपना बलिदान दे दिया, लेकिन उनके बलिदान को जनसंघ के बाद भारतीय जनता पार्टी ने समझा और आज कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। डॉ. मुखर्जी सच्चे अर्थों में मानवता के उपासक और सिद्धान्तवादी नेता थे। बहुमुखी प्रतिभा के धनी और शिक्षाविद् डॉ मुखर्जी के जीवन चरित्र को हमें अपने जीवन में उतारना चाहिए। डॉ मुखर्जी उस दौर में जो विचार लेकर चले थे, उनके विचारों को देश में समझने वाला कोई नहीं था। इसके बावजूद उन्होंने अपने विचारों को आगे बढाया। हमें डॉ. मुखर्जी की विचारधारा को साथ लेकर आगे बढ़ना चाहिए। डॉ. मुखर्जी के सपने को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरा करने का काम किया। कश्मीर में जिन हाथों में पत्थर हुआ करते थे, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन हाथों को रोजगार देकर उनके परिवारों को आगे बढ़ाने की दिशा में काम किया है। पुष्पांजली कार्यक्रम के दौरान भाजपा के संगठक प्रद्युम्न कुमार, प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ, प्रदेश कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष अनुराधा माहेश्वरी और भाजपा मीडिया कार्यालय प्रभारी चंपालाल रामावत सहित अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पूर्व में की गई सेवा का वेतन संरक्षित करने के आदेश

जयपुर। हाईकोर्ट ने तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती-2018 में चयनित अभ्यर्थी का समान पद पर पूर्व में की गई सेवा व वेतन संरक्षित करने के आदेश दिए हैं। जस्टिस अनुप कुमार ढंड ने यह आदेश बनवारी लाल चौधरी व अन्य की याचिका पर दिए। याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता का तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती-2013 में चयन हुआ था। इस भर्ती में उसे बाडमेर जिला आवंटित हुआ था। वहां सेवा देने के बाद वर्ष 2018 में निकली तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती में उसका चयन हो गया और उसे जयपुर जिला आवंटित हो गया। याचिका में कहा गया कि उसकी समान पद पर ही दूसरी नियुक्ति हुई है। ऐसे में राजस्थान सेवा नियम के नियम 24 के तहत उसके वर्तमान वेतन को संरक्षित किया जाए और पूर्व में की गई सेवाकाल की गणना भी की जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने याचिकाकर्ता की पूर्व की सेवाकाल की गणना करते हुए वेतन को संरक्षित करने के आदेश दिए हैं।

कोर्ट ने 12.75 लाख रुपए का क्लेम खारिज किया

- **बीमा कंपनी को वाहन चोरी की सूचना 317 दिन की देरी से देने का मामला**

जयपुर, (का.सं.)। जिले की स्थाई लोक अदालत ने वाहन चोरी की सूचना बीमा कंपनी को 317 दिन की देरी से देने और चोरी की एफआईआर 20 दिन बाद दर्ज कराने को संदिग्ध मानकर 12.75 लाख रुपए का क्लेम खारिज कर दिया। स्थाई लोक अदालत ने कहा कि वाहन चालक को ऐसा कौनसा जरूरी काम था, जो वाहन में ही चाबी लगाकर चला गया और दूसरे दिन मौके पर आया। वहीं वाहन के मालिक ने चोरी की एफआईआर भी बीस दिन बाद दर्ज क्यों नहीं कराई। वहीं बीमा कंपनी को चोरी की सूचना 317 दिन की देरी से देना भी बीमा शर्तो का उल्लंघन है। ऐसे में परिवादी बीमा क्लेम लेने का अधिकारी नहीं है। लोक अदालत ने यह आदेश किरण सिंह का परिवाद खारिज करते हुए दिए। बीमा कंपनी के अधिवक्ता ने बताया कि परिवादी ने अपने ट्रेलर का बीमा 12 लाख रुपए में बीमा कंपनी से करवाया था। इसकी अवधि 28 नवंबर 2020 से 27 नवंबर 2021 थी। इस दौरान बीमित वाहन 15 दिसंबर 2020 को ही कोटपुतली थाना क्षेत्र से चोरी हो गया, लेकिन वाहन चालक ने बीमा कंपनी को चोरी की सूचना नहीं दी और एफआईआर भी 20 दिन की देरी से दर्ज कराई। वहीं जांच में आया कि चालक खुद ही वाहन की चाबी उसमें लगाकर चला गया था और सुबह वापस आया तो वाहन उसे नहीं मिला। वाहन चालक ने बीमा कंपनी में क्लेम किया, लेकिन कंपनी ने उसे गलत मानते हुए 29 नवंबर 2021 को खारिज कर दिया। इसे परिवादी ने स्थाई लोक अदालत में चुनौती दी थी।

वर्षाकाल में हो रहे अमृत मिशन के काम जांचने पहुंचे आयुक्त

हैरिटेज निगम आयुक्त अभिषेक सुराणा ने शनिवार को अमृत योजना 2.0 के तहत किए जा रहे कार्यों का निरीक्षण किया।

- **सीवर लाइन के लिए खोदी गई सड़कों को जल्द ढकने और बारिश के दौरान खुदाई कार्य नहीं कराने के निर्देश दिए**

जयपुर । हैरिटेज निगम आयुक्त अभिषेक सुराणा ने शनिवार को अमृत योजना 2.0 के तहत किए जा रहे कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान आयुक्त सुराणा ने अधिकारियों को सीवर लाइन के लिए खोदी गई सड़कों को जल्द ढकने के निर्देश दिए, साथ ही बारिश में खुदाई कार्य नहीं कराने के निर्देश दिए।

आयुक्त ने बताया कि हेरिटेज निगम क्षेत्र में जयसिंह पुरा खोर, जामडोली सहित परकोटे में अमृत 2 योजना में सीवर का कार्य किया जा रहा है। बारिश में कोई हादसा नहीं हो जाएं, इसके लिए शनिवार को सभी क्षेत्र में खुदाई पर रोक लगाई गई है। इसके अलावा किन क्षेत्र में कार्य हो रहा है, वहां भी बेरीकेट लगाने और खड्डे को जल्द भरने के निर्देश दिए। इस दौरान आयुक्त ने खोर में बने एसटीपी प्लांट का भी निरीक्षण किया। इनके अलावा वर्षा में धंसी हुई सड़कों को जल्द मरम्मत करने के निर्देश दिए।

वहीं, अतिरिक्त आयुक्त डॉ. रौनक बैरागी ने शहर के प्रमुख पार्क का निरीक्षण किया और हेरिटेज निगम की ओर से किए जा रहे पौधा वितरण की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने पार्क की सफाई, रखरखाव और हरित क्षेत्र को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। अतिरिक्त आयुक्त ने पार्क की स्वच्छता व्यवस्था का जायजा लिया और अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे नियमित रूप से सफाई अभियान चलाएं और पार्क की हरियाली को बनाए रखें। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलता है बल्कि समाज में जागरूकता भी बढ़ती है। इस दौरान जिन लोगों को पौधों का वितरण किया गया और सभी उपस्थित लोगों से अपील की गई कि वे इन पौधों की अच्छी देखभाल करें और अपने आसपास के क्षेत्रों को हरा-भरा बनाएं।

एल.आई.सी. का मिशन 'जीवन समर्थ' शुरू

जयपुर (कासं)। भारतीय जीवन बीमा निगम (एल.आई.सी.) ने महात्वाकांक्षी मिशन 'जीवन समर्थ' शुरू किया है, जिसका उद्देश्य ग्राहकों की तेजी से विकसित हो रही जरूरतों को पूरा करने के लिए अपने पूरो 14 लाख एजेंट कार्यबल को भविष्य के लिए तैयार करना है।

इसे हासिल करने के लिए विश्व स्तर पर प्रसिद्ध रणनीति परामर्श फर्म मैसर्स ए.टी.कियर्नी के साथ एल.आई.सी. ने साझेदारी की है, जो कि एल.आई.सी. के मौजूदा एजेंसी ढांचे को की एंड-टू-एंड आधार पर समीक्षा करके इस एजेंसी परिवर्तन योजना को शुरू करेगी। इसके शाखाएं डिविजन और जोनल स्तर पर एजेंसी संचालन को नया रूप देना भी शामिल होगा, जिसका उद्देश्य भारत में बीमा क्षेत्र के तेजी से बदलते उद्योग और नियामक परिदृश्य के मद्देनजर वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं को स्थापित करना है।

मेरे जैसे सामान्य कार्यकर्ता को हरियाणा का प्रभारी बनाकर किसानों का मान बढ़ाया : डॉ. सतीश पूनिया

जयपुर। भाजपा केंद्रीय नेतृत्व द्वारा डॉ. सतीश पूनिया को हरियाणा भाजपा प्रदेश प्रभारी बनाये जाने पर प्रदेशभर से जयपुर पधारे कार्यकर्ताओं एवं आमजन ने डॉ. सतीश पूनियां को बधाई एवं शुभकामनाएं दी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित समस्त केंद्रीय नेतृत्व का हार्दिक आभार-अभिनंदन व्यक्त किया।

इस दौरान सतीश पूनिया ने जयपुर में राणी सती नगर स्थित अपने जनसंवाद केंद्र पर जनसुनवाई की, जो वह जयपुर रहने के दौरान पिछले कई वर्षों से सुबह 8 से 11 बजे तक प्रदेशभर से पधारे कार्यकर्ताओं एवं आमजन से मुलाकात कर जनसुनवाई करते हैं।

सतीश पूनिया ने कहा कि हरियाणा राज्य के प्रभारी के रूप में जिम्मेदारी प्रदान करने हेतु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का हार्दिक आभार एवं अभिनंदन व्यक्त करता हूं कि राजस्थान प्रदेश के सामान्य किसान परिवार में जन्मे मेरे जैसे सामान्य कार्यकर्ता को हरियाणा का प्रभारी बनाकर राजस्थान, हरियाणा सहित समस्त देश के किसानों का मान बढ़ाया है, इससे पहले राजस्थान जैसे बड़े प्रदेश का अध्यक्ष बनाकर भी भाजपा केंद्रीय नेतृत्व ने किसानों का सम्मान बढाया था। उन्होंने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में किसानों एवं खिलाड़ियों की धरती हरियाणा में जनता के आशीर्वाद एवं कार्यकर्ताओं के परिश्रम से फिर से प्रचंड बहुमत की भाजपा सरकार बनाएंगे। उन्होंने कहा कि, हरियाणा की नायब सिंह सैनी सरकार हरियाणा प्रदेश के विकास के लिए समर्पित होकर कार्य कर रही है, वहीं नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की एनडीए सरकार और हरियाणा की नायब सैनी सरकार की जनहितकारी नीतियों पर हरियाणा की सभी 36 कौम की किसान सरदारी, युवा एवं माता बहनें अपने आशीर्वाद से विश्वास की मुहर लगाएंगे और तीसरी बार भाजपा हरियाणा में जीत की हैट्रिक लगाकर प्रचंड बहुमत की सरकार बनाएगी।

हरियाणा भाजपा का प्रभारी बनाए जाने पर डॉ. सतीश पूनिया को कार्यकर्ताओं ने बधाई दी।